सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है। -चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें फोन: 0141-2282717 मो: 9214203182 व्हाट्सएप नं. 9928071817

वर्ष-23 | अंक-284 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, बुधवार 18 जून , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

सीएम भजनलाल शर्मा ने लिखा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र

तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का किया आग्रह

जयपुर । राजस्थान को बड़ी राहत मिल सकती है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को एक अहम पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया है। इन प्रस्तावों से चिनाब जैसी हिमालय से निकलने वाली नदियों का अतिरिक्त पानी अब ब्यास, रावी और उझ जैसी पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में लाया जा सकेगा। इससे उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ-साथ राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने लिखा- राजस्थान को करीब 1.0 MAF (मिलियन एकड़ फीट) पीने के पानी के लिए, 1.0 MAF सिंचाई के लिए और 0.2 ख्र्ल्न औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी की जरूरत है। साथ ही, राजस्थान के पास पहले से मौजूद प्राकृतिक झीलों और जलाशयों में 1.0 ख्र्ल्न पानी जमा करने की भी क्षमता है।

इन तीन मुख्य योजनाओं से राजस्थान को यह फायदा होगा ।1. ब्यास और सतलुज नदी में अतिरिक्त पानी पहुंचेगा, जिससे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान को भी फायदा मिलेगा।

2. इंदिरा गांधी नहर को और ज्यादा पानी मिल सकेगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान की बड़ी आबादी को सिंचाई और पीने के लिए राहत मिलेगी।

3. औद्योगिक क्षेत्रों को जल आपूर्ति आसान होगी, जिससे नए निवेश और रोजगार के रास्ते खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इन योजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया और कहा कि यह कदम राजस्थान के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा

नीट में राजस्थान की धाक

टॉप 100 में हमारे 14 होनहार, इस वजह से जमकर चमका राजस्थान का टैलेंट

जयपुर। सिविल सर्विस से लेकर डॉक्टर व इंजीनियरिंग की पढ़ाई में राजस्थान युवाओं की धाक लगातार मजबूत हो रही है। एनटीए की ओर से घोषित नीट के परिणाम में राजस्थान टैलेंट जमकर चमका है। नीट के टॉप 100 विद्यार्थियों में राजस्थान के 14 होनहारों जगह बनाई है। जबकि टॉप 100 में दिल्ली के 11, उत्तरप्रदेश के चार, हरियाणा के दो, महाराष्ट्र के 11 व पंजाब के नौ होनहार शामिल है। यदि टॉप 20 छात्राओं की बात करें तो राजस्थान की एक बेटी जगह बनाने में सफल हुई है।

टॉप 20 छात्रों में राजस्थान के चार छात्र शामिल है। खास बात यह है कि पिछले साल भी टॉप 100 में राजस्थान के 14 विद्यार्थियों ने जगह बनाई थी। एसटी रेणी में राजस्थान के युवाओं ने सबसे ज्यादा कमाल किया है। एसटी श्रेणी में राजस्थान के सात युवाओं ने टॉप दस में जगह बनाई है।

गौरतलब है कि नीट टॉपर महेश कुमार का सीएम भजनलाल शर्मा व पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा आदि मुलाकात कर हौसला बढ़ा चुके है। इस साल नीट में ?शिक्षानगरी की गुरुकृपा कोचिंग के महेश कुमार ने देशभर में पहली रैंक हासिल की है।

राजस्थान से सामान्य वर्ग टॉप दस में= 01

ओबीसी टॉप दस में= 4

ईडब्लूएस के टॉप दस में= 02

एससी टॉप दस में= 01

एसटी टॉप दस में= 07

पीडब्लूडी श्रेणी में= 0

देश में ऐसे बढ़ रहा डॉक्टरी की पढ़ाई का क्रेज

2019-1519375

2020= 1597435

2021= 1614777

2022= 1872343

2023= 2087462

2024= 2406079

2025= 2276069

इसलिए बेहतर परिणाम

ङ्क देश में नीट का कोचिंग हब बन रहा राजस्थान

ङ्क छोटे शहरों तक में कोचिंग और हॉस्टल की सुविधा

-गांव-ढाणियों में सुधरता शैक्षणिक माहौल

बेहतर स्कूली एज्युकेशन

-कॅरियर को लेकर अभिभावक जागरूक

टॉपिक एक्सपर्ट

राजस्थान के युवाओं की नीट में लगातार धाक बढ़ रही है। पिछले साल नीट के परिणाम में भी राजस्थान ने कई टॉपर दिए। इस साल भी नीट में पहली रैंक भी राजस्थान के खाते में दर्ज हुई है। पहले राजस्थान के युवाओं की ओर डॉक्टरी का फैसला काफी देरी से लिया जाता था। अब राजस्थान के युवाओं की ओर से दसवीं कक्षा से तैयारी शुरू कर दी जाती है। इस वजह से नीट परिणाम में राजस्थानी टैलेंट लगातार चमक रहा है।

जयपुर में रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या के बाद हंगामा

जयपुर। जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर रेजिडेंट डॉक्टर राकेश बिश्नोई की आत्महत्या के मामले में चल रहे विरोध प्रदर्शन ने मंगलवार को तूल पकड़ लिया। जोधपुर के एसएन मेडिकल कॉलेज में पीजी कर रहे नागौर जिले के जारोड़ा निवासी डॉ. राकेश बिश्नोई ने सल्फास खाने के बाद रविवार देर रात जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

धरना स्थल पर टेंट लगाने से रोका

प्रदर्शन के दौरान मंगलवार को स्थिति तनावपूर्ण हो गई, क्योंकि पुलिस ने धरना स्थल पर टेंट लगाने से रोका। इस बात को लेकर निर्मल चौधरी, अभिमन्यू पूनिया, अनिल चोपड़ा सहित कई युवा नेताओं की मालवीय नगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आदित्य पूनिया के साथ झड़प हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने पुलिस पर प्रशासन के इशारे पर धरने को दबाने और पीड़ित परिवार को डराने का आरोप लगाया। विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन और सरकार के दबाव के बावजूद हम पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए डटकर मुकाबला करेंगे। स्व. राकेश बिश्नोई की मौत को षड्यंत्रकारी हत्या बताकर इसे दबाने की कोशिश की जा रही है, जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

वहीं, निर्मल चौधरी ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार पुलिस के दम पर पीड़ित परिवार को डराने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम उनकी इस साजिश को सफल नहीं होने देंगे। हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक राकेश बिश्नोई के परिवार को न्याय नहीं मिल जाता।

मृतक ने सीनियर पर लगाए थे आरोप

रेजिडेंट डॉक्टर राकेश बिश्नोई की मौत के बाद उनके परिजनों और रेजिडेंट्स ने सीनियर डॉक्टर पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मृतक ने मरने से पहले सीनियर डॉक्टर पर परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने वरिष्ठ डॉक्टर राजकुमार राठौड़ पर थिसिस को लेकर प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए थे।

वहीं, जोधपुर के रेजिडेंट्स का कहना है कि उनसे नियमों के विपरीत लंबे समय तक काम कराया जाता है और सीनियर्स द्वारा मानसिक दबाव बनाया जाता है, जिसके चलते ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। परिजन और समर्थक इस मामले को आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या मान रहे हैं और आरोपी सीनियर डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिम से निकलते ही रियल स्टेट व्यापारी को मारी गोली, बदमाश फरार

श्रीगंगानगर। शहर में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक जिम से निकल रहे रियल स्टेट व्यापारी आशीष गुप्ता पर दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में व्यापारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना जस्सा सिंह मार्ग पर सुबह करीब सवा 10 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, आशीष गुप्ता रोज की तरह जिम में एक्सरसाइज करने गए थे। जिम से बाहर निकलते ही बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस वारदात से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए व्यापारी भागकर जिम के चैनल गेट के अंदर घुस गए। बदमाश उन्हें अंदर जाते देख मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने एक के बाद एक कई गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही

कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ खाली कारतूस भी बरामद किए हैं। फिलहाल जिलेभर में नाकाबंदी कर दी गई है तथा शहर के सभी प्रवेश और निकासी मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों का सुराग मिल सके।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि घटना को लेकर कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर जल्द खुलासा किया जाएगा। पुलिस टीमों को लगातार आरोपियों की तलाश में रवाना किया गया है। उन्होंने अस्पताल जाकर घायल आशीष गुप्ता से भी घटना के संबंध में जानकारी ली है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश की आशंका नजर आई है। हालांकि, सभी पहलुओं से जांच जारी है। घटना के बाद जिम संचालक और आसपास के लोग डरे हुए हैं। घायल व्यापारी आशीष गुप्ता रियल एस्टेट व्यवसाय से जुड़े हैं और उनकी शहर में कई कॉलोनियां हैं। दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग की वारदात ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए निर्देश

एक पोलिंग बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता न हो

जयपुर,। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में 2 जुलाई को बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान के लगभग 200 बीएलओ सहित देशभर से लगभग 2500 बीएलओ भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शेष बीएलओ का प्रशिक्षण जिला स्तर पर ही आयोजित किया जाएगा।

महाजन मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारियों सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया में किसी तरह की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि गत विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों में जिन पोलिंग बूथों पर 6 बजे बाद तक कतार लगी रहीं तथा जहां मतदाता संख्या 1200 से अधिक है, ऐसे पोलिंग बूथों का शीघ्र ही पुनर्गठन करना सुनिश्चित करें।

बीएलओ को पहचान पत्र जारी करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की ओर से मतदान केन्द्र स्तर तक एजेंट (बीएलए) का नामांकन और चुनावी प्रक्रियाओं के प्रबंधन में इन एजेंट्स की तय दिशा-निर्देशों के अनुरूप सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करवाने के भी निर्देश दिए। श्री महाजन ने कहा कि प्रदेश के नवीन जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने नवीन जिलों में नोडल ऑफिसर की नियुक्ति, आईटी इनेबल्ड सेल क्रियेशन, ईवीएम वेयरहाउस, जिला कॉल सेन्टर, इआरओ-नेट पर कंट्रोल टेबल अपडेशन, विभिन्न समितियों का गठन आदि कार्य समयबद्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुलभ, पारदर्शी तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म %ईसीआईनेट% का निर्माण किया है। यह वर्तमान में ट्रायल फेज में है । यह प्लेटफ़ॉर्म 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब ऐप्स को समेकित करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को चुनाव संबंधी सभी सेवाएँ एक ही जगह पर सहजता से उपलब्ध हो जाती हैं। इससे न केवल नागरिक, बल्कि चुनाव अधिकारी, मीडिया एवं राजनीतिक दल भी चुनावी जानकारी तक आसान और त्वरित पहुँच प्राप्त कर सकेंगे। वीडियो कांफ्रेंस में सभी जिला कलक्टर्स सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गोविंद देवजी में योगिनी एकादशी 22 को, छांवण में चलते-चलते होंगे दर्शन

गोविंद देवजी मंदिर में श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को देखते हुए सभी को सुलभ दर्शन के लिए मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था में आंशिक बदलाव किया है। भीड़ के एकत्रीकरण को रोकने के लिए एक तरफा बैरीकेड दर्शन व्यवस्था रहेगी। बिना जूते-चप्पल वाले दर्शनार्थी मंदिर के छावन में दर्शन करते हुए बिना रुके परिक्रमा करके मंदिर छावन से निकास करते हुए मंदिर के मुख्य निकास की ओर प्रस्थान कर सकेंगे। जूते-चप्पल पहन कर आने वाले दर्शनार्थी बाहर रैंप से दर्शन कर वापस उसी मार्ग से आ सकेंगे। एकादशी को किसी भी दर्शनार्थी को मंदिर छावन में रुकने और फोटोग्राफी की अनुमति नहीं होगी। एकादशी की दर्शन व्यवस्था के लिए करीब सौ स्वयंसेवक सेवाएं देंगे। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि सुबह महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक कर लाल रंग की नटवर पोशाक धारण कराई जाएगी। गोचारण लीला के भाव से श्रृंगार किया जाएगा। राजभोग झांकी के दौरान सागारी व्यंजनों और फलों का भोग लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आषाढ़ कृष्ण एकादशी इस बार भी दो दिन 21-22 जून को है। जो कि योगिनी

एकादशी के रूप में मनाई जाएगी। द्वि पुष्कर योग में शनिवार, 21 जून को स्मार्त (साधु-सन्यासी) मतावलंबी एकादशी का व्रत रखेंगे। वहीं वैष्णव मतावलंबी रविवार, 22 जून को श्री हरि भगवान का पूजन कर व्रत रखेंगे। चूंकि छोटीकाशी वैष्णव प्रधान है इसलिए ज्यादातर लोग 22 जून को ही एकादशी का व्रत रखेंगे। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी का उपवास करने वाले व्यक्ति को विशेष पूजा-अर्चना करनी चाहिए, जिसमें लक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा, कनकधारा पूजा और लक्ष्मी-नारायण पूजा शामिल हैं। यदि किसी को आर्थिक या व्यवसायिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो योगिनी एकादशी के दिन ये पूजा विशेष फलदायक मानी जाती हैं।

राजस्थान बीजेपी में संगठन ढांचा अधूरा- 4 जिलों में क्यों नहीं बने अध्यक्ष?

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनावों को शुरू हुए छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पार्टी का संगठन ढांचा अब तक अधूरा है। दिसंबर 2024 में शुरू हुए 'संगठन पर्व' के तहत बूथ से लेकर प्रदेशाध्यक्ष तक के चुनाव होने थे। 22 फरवरी 2025 को मदन राठौड़ के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्वाचन के साथ चुनावी प्रक्रिया तो पूरी हो गई, लेकिन संगठन के कई महत्वपूर्ण पद अब भी खाली हैं।

4 जिलों में क्यों नहीं बने अध्यक्ष?

राजस्थान बीजेपी के 44 संगठनात्मक जिलों में से 40 में 31 जनवरी 2025 तक जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके थे। हालांकि, दौसा, झुंझुनूं, धौलपुर और जोधपुर देहात उत्तर में नियुक्तियां अब तक नहीं हो सकी हैं। इन जिलों में स्थानीय नेताओं और बड़े नेताओं के बीच सहमति का अभाव मुख्य रोड़ा बना हुआ है।

दौसा- पार्टी यहां ब्राह्मण समाज से जिला अध्यक्ष नियुक्त करना चाहती है, लेकिन मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और स्थानीय विधायकों के बीच किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। दौसा के 27 मंडलों में से केवल

13 में ही अध्यक्ष बनाए गए हैं, जिनमें से दो पर विवाद भी चल रहा है।

झुंझुनूं- यहां ओबीसी वर्ग से जिला अध्यक्ष बनाने की योजना है, लेकिन जाट वोट बैंक के प्रभाव के कारण मामला उलझा हुआ है। विधायक राजेंद्र भांबू और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे बबलू चौधरी के बीच खींचतान ने स्थिति को और जटिल कर दिया है।

धौलपुर- इस जिले में पार्टी के पास कोई प्रभावी चेहरा नहीं है। बीते दो दशकों में केवल एक सीट जीतने वाली बीजेपी यहां एससी या ओबीसी वर्ग से किसी मजबूत नेता को सामने लाने की कोशिश में है, लेकिन कोई ठोस नाम सामने नहीं आया है।

जोधपुर देहात उत्तर- यहां एक नाम तय हो चुका था, लेकिन स्थानीय नेताओं ने उसे बाहरी बताकर विरोध जता दिया, जिसके चलते अंतिम समय में घोषणा टाल दी गई।

50 मंडलों में भी नहीं बने अध्यक्ष

बताते चलें कि प्रदेश के 1137 मंडलों में से लगभग 50 में अब तक अध्यक्ष नहीं बनाए गए हैं। जिन मंडलों में अध्यक्ष नियुक्त हुए हैं, वहां कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ है। यही स्थिति जिला स्तर पर भी है। 40 जिलों में जिला अध्यक्ष तो बनाए गए हैं, लेकिन किसी भी जिले में कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ। इस देरी से संगठनात्मक ढांचे में गहराई से काम करने में बाधा आ रही है और कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

साइबर क्राइम की नई चाल से सावधान! कूरियर डिलीवरी के बहाने कॉल फॉरवर्डिंग कर उड़ा रहे खाते के पैसे-एसपी शांतनु कुमार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को साइबर धोखाधड़ी के एक नए और खतरनाक तरीके के प्रति आगाह किया है। कूरियर सर्विस/प्रोडक्ट डिलीवरी के नाम पर होने वाले इस फ्रॉड में अपराधी अब कॉल फॉरवर्डिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे लोगों की गाढ़ी कमाई पलक झपकते ही उड़ाई जा रही है। साइबर अपराधी लगातार अपनी तकनीकों को बदल रहे हैं और अब वे नामी गिरामी कूरियर कंपनियों का भेष धारण कर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

एसपी साइबर क्राइम पुलिस मुख्यालय शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर ठग फोन या व्हाट्सएप कॉल के ज़रिए लोगों से संपर्क करते हैं। वे उन्हें बताते हैं कि उनकी कोई डिलीवरी आने वाली है और डिलीवरी देने के बहाने या तो एक ओटीपी पूछने की कोशिश करते हैं, या फिर उन्हें एक खास नंबर

डायल करने को कहते हैं। यह नंबर अक्सर ##wv#, **, *, या # से शुरू होता है। जैसे ही पीड़ित ॠ21ॠ डायल करता है, उसके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो जाती है। इसका मतलब है कि पीड़ित के फोन पर आने वाली सभी कॉल, जिसमें ह्रझ्क्क भी शामिल हो सकता है, सीधे साइबर अपराधी के नंबर पर फॉरवर्ड हो जाती हैं। साइबर अपराधियों को जैसे ही आपकी कॉल और ओटीपी का एक्सेस मिलता है वे तुरंत आपके बैंक खाते से पैसे उड़ा लेते हैं या यूपीआई लिंक भेजकर आपको ठगी का शिकार बनाते हैं। पुलिस का कहना है कि वे ऐसे लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाते हैं जिनके पास वाकई कोई ऑनलाइन डिलीवरी आने वाली होती है, जिससे उनका झांसा और भी विश्वसनीय लगता है।

बचाव के लिए क्या करें

राजस्थान पुलिस ने इस नई साइबर अपराध तकनीक से बचाव के लिए आम लोगों को कुछ महत्वपूर्ण सलाह दी है :

कोई नंबर डायल न करें= यदि डिलीवरी के नाम पर आने वाली किसी भी कॉल के दौरान आपको कोई नंबर डायल करने को कहा जाए, तो उसे बिल्कुल न दबाएं।

सत्यापन के बिना ओटीपी साझा न करें= जब डिलीवरी मैन आपके घर पहुंचे तो सबसे पहले यह जांचें कि वह किस कंपनी से आया है और आपका कूरियर किस कंपनी से आने वाला था। पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही ओटीपी साझा करें और हो सके तो पैकेज को उसी के सामने खोलकर जांच करें।

यदि आप बन जाएं शिकार तो क्या करें

यदि आप इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, तो बिना देर किए इसकी सूचना साइबर हेल्प लाइन नंबर= 1930, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल= https:// cybercrime. gov.in, अपने निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर पुलिस स्टेशन को सूचित करें। एसपी को कुमार ने बताया कि यह ज़रूरी है कि हम सब सतर्क रहें और इस जानकारी को अपने परिवार और दोस्तों के साथ साझा करें ताकि कोई भी इस नई चाल का शिकार न हो।

इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमी

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते है, क्योंकि कोई भी देश के लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरुआत की तो लपेटमें पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल- ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट?

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वही एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया। साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध को हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, इजरायल की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें आ रही हैं, यरुशलम में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जबकि कई वीडियो में तेल अवीव और यरुशलम के आसमान पर मिसाइलें दिखाई दे रही हैं और उनमें से कई को इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया है,(3) ईरान ने शिराज शहर से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश कर दी है, जिससे उत्तर में हाइफा से लेकर दक्षिण में ईलाट तक लगभग पूरे इज़राजल में रेड अलर्ट जारी किया गया, तेल अवीव, यरुशलम, बेयर शेवा, हाइफा और दर्जनों अन्य शहरों में हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गई, (4) सेना ने कहा है कि ईरानी मिसाइलों की बौछार से इजरायल में कई जगहों पर हमला हुआ है. आरटी इंटरनेशनल की एक पोस्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद हाइफा शहर में भीषण आग देखी गई,इसने अनाम इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, (5) ईरान में भी नजारा कुछ अलग नहीं है. तेहरान से आई तस्वीरों में रात के समय आसमान में ईंधन डिपो में लगी आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह आग इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस क्षेत्र पर हमले शुरू करने के बाद लगी है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईरानी राज्य के कामकाज पर खतरा बढ़ गया है।(6) ईरान ने शनिवार की देर रात तेल अवीव द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों, मिसाइल कारखानों और सैन्य कमांड केंद्रों पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल के हाइफा पोर्ट और पास की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। (7) हाइफा शहर के स्काईलाइन पर मिसाइलें नजर आईं, जिससे वहां के लोग दहशत में थे, ईरान लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमला करता रहा और इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम इन मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने में जुट गया,(8) पोर्ट पर रासायनिक टर्मिनल में छर्रे गिरे और कुछ अन्य मिसाइल तेल रिफाइनरी पर गिरे, लेकिन पोर्ट की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ, बताया जाता है कि रिफाइनरी पोर्ट से कुछ दूरी पर है, हाइफा पोर्ट उत्तरी इजरायल में स्थित एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पोर्ट है, जो दक्षिण की तुलना में अपेक्षाकृत कम अस्थिर क्षेत्र है, यह देश के आयात और निर्यात दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पोर्ट है, (9) ईरान द्वारा लगातार दूसरी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद तनाव में वृद्धि हुई है. ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि हाइफा तेल रिफाइनरी पर सीधा हमला हुआ है, जिससे उत्तरी पोर्ट शहर के पास भीषण आग लग गई, मिसाइल हमला हाइफा के पास तमरा में एक आवासीय इमारत पर हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 14 अन्य घायल हो गए,(10) इजरायल और ईरान ने रविवार रात को एक-दूसरे पर फिर से हमले किए, जिसमें कई लोग मारे गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि संघर्ष को आसानी से समाप्त किया जा सकता है, उन्होंने तेहरान को किसी भी अमेरिकी लक्ष्य पर हमला न करने की चेतावनी भी दी, वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में हुए हमलों में वाशिंगटन का कोई हाथ नहीं है. हालांकि, तेहरान ने इजरायली हमले में अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगाया है और रविवार को ओमान में होने वाली परमाणु वार्ता रद्द कर दी है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंचा- दुनियाँ दो गुटों में बटने की ओर बढ़ी- तीसरे विश्व युद्ध की आहट? इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमी इजरायल-ईरान दोनों के पीछे खड़ी ताकतों द्वारा अंधा समर्थन बंद कर,समझौते से युद्ध विराम करना जरूरी, वरना यह आग मिडल ईस्ट से पूरी दुनियाँ में फैलेगी।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

तालिबानी मंसूबे

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और धमकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है। लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हालिया घटनाक्रम में बठिंडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे रखवे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है। पिछले दिनों बेंगलुरू में भी एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को केवल उसके पहनावे को अभद्र बताते हुए एसिड हमले की धमकी दी गई। इस धमकी भरे वीडियो के वायरल होने के बाद उस व्यक्ति को उसके नियोक्ता ने नौकरी से निकाल दिया। यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुद्धता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता हैऔर किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दियाज बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य अंग है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की आजादी की अपनी सीमाएं भी हैं।

ईरान- इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

(लेखक- ललित गर्ग)

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाश करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पुतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर है, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा।

(चिंतन-मनन)

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

विचार मंथन

सारा जयपुर राज घराने का हो जाएगा - सुप्रीम कोर्ट

(लेखक-सनत कुमार जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने दिया कुमारी की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा ऐसे तो सारा जयपुर आपका हो जाएगा। जयपुर राजघराने ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जयपुर राजघराने ने याचिका दाखिल कर जयपुर के टाउन हॉल को अपनी संपति बताकर मुकदमा दर्ज किया है। जिसकी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जयपुर राजघराने के वंशज के रूप में टाउन हॉल पर राजपरिवार ने दावा किया है। राजस्थान हाईकोर्ट के उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में पद्मिनी देवी और दिया कुमारी की तरफ से कहा गया,राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह म्यूजियम बनना चाहती है। यह सरकारी नहीं राजपरिवार की संपति है। इस निर्माण को नहीं रोका गया तो सरकार का अधिकार हो जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील हरीश सालवे ने दलील दी। यह मामला कानूनी पेचीदगियों से भरा है। इसमें तीन महत्वपूर्ण मुद्दे संविधान के अनुच्छेद 362 और 363 में पूर्व शासकों और रजवाड़ों के विशेषाधिकार से जुड़े हैं। इन राजे - रजवाडों का अपना इतिहास हैं। यह एक संधि है, जिसमें केंद्र सरकार पक्षकार नहीं है। जयपुर और बीकानेर शासकों के बीच जयपुर राजपरिवार की संधि हुई थी। हरीश सालवे के इस तर्क पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप आपस में ऐसा अनुबंध करते हैं। बिना भारत सरकार को पक्षकार बनाए, आप कैसे इस तरह से चुनौती दे सकते हैं। इस तरह से तो पूरा जयपुर आपके पक्षकार का हो जाएगा। हर राजा रजवाड़ा सभी सरकारी संपतियों पर अपना दावा पेश करेगा। पुरानी रियासतों के वंशज कहेंगे, सारी संपतियां उनकी हैं। कोर्ट ने कहा आप कहते हैं, भारत सरकार इस कॉन्ट्रैक्ट में पक्षकार नहीं था। इसलिए अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा।

आखिर टाउनहॉल का क्या विवाद है। साल 1949 में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और भारत सरकार के बीच एक समझौता रियासत के विलय को लेकर हुआ। इसके तहत टाउन हॉल सहित कुछ संपतियां सरकारी उपयोग के लिए दी गई थीं। उसके बाद 2022 में गहलोत सरकार आई। राजस्थान सरकार ने टाउन हॉल को म्यूजियम बनाने का फैसला किया। इसको लेकर शाही परिवार नाराज हो गया, राजपरिवार ने आपत्ति जताई। 2014 से 2022 तक कई नोटिस और शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज परिवार के खिलाफ फैसला सुना दिया। जिसको लेकर जयपुर राजघराना सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जिसमें दो जजों की बेंच ने यह टिप्पणी की, अभी सुनवाई चल रही है। देखना होगा सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या फैसला करता है। जब भारत स्वतंत्र हुआ था, जो राजा रजवाड़े भारत में शामिल हुए थे। एक समझौते के तहत उनकी निजी संपत्तियों को उन्हें अधिकार में दिया गया था। बाकी रियासत का हिस्सा संघ में विलय हो गया था। राजा रजवाड़ों को प्रिवीपर्स के रूप में एक निश्चित राशि देने का समझौता विलय पक्ष में हुआ था। राजा रिजवाड़ों को कुछ विशेष अधिकार दिए गए थे। उस समय की विलय संधि में राजाओं की निजी संपति, जिसमे राज परिवार का महल, जो जमीन उनके नाम पर थी। गहने, रत्न, आभूषण वगैरा उनको अधिकार में दे दिए गए थे। समझौते के तहत बाकी सारी रियासत और उसकी संपतियां संघ में विलय हो गई थी। 1971 में 26 वें संविधान संशोधन के द्वारा सभी राजे- रजवाड़ों को मिले विशेष अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। प्रिवीपर्स बंद कर दिया गया था। जिसके कारण उस समय राजे -रजवाड़ों कांग्रेस से विद्रोह कर जनसंघ में चले गए थे। कांग्रेस पार्टी में विद्रोह हो गया था। 1990 के बाद राम मंदिर विवाद को लेकर जिस तरह से पुराने इतिहास के आधार पर मुकदमे बाजी शुरू हुई। पिछले एक दशक में राजे - रजवाड़ों के वंशजो ने मुकदमेबाजी कर सरकारी संपति को हथियाना शुरू कर दिया है। दिया कुमारी राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री हैं जयपुर राजघराने की वंशज होने के कारण वह भी टाउन हॉल और अन्य संपतियों पर कब्जा करना चाहती हैं। कुछ इसी तरह के विवाद अन्य रियासतों के वंशजों ने भी कोर्ट में दायर किए हैं। इस मामले में केंद्र सरकार को पार्टी नहीं बनाकर याचिका कर्ता ने केंद्र एवं राज्य सरकार और संविधान को धोखा देने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात पकड़ ली। सुप्रीम कोर्ट की जो टिप्पणी आई है। उससे आभास होता है, जयपुर राजघराने द्वारा राजस्थान की सत्ता में उप - मुख्यमंत्री के पद पर होते हुए जिस तरह से धोखाधड़ी करने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। राजस्थान सरकार में मंत्री रहते हुए दिया कुमारी को इस तरह के मुकदमे में पार्टी नहीं बनना चाहिए था। यदि बनी थी तो नैतिकता के आधार पर उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना था। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हजारों वर्ष पुराने इतिहास, विवाद और परंपरा के आधार पर न्यायालयों में मुकदमे दाखिल किए जा रहे है।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ खर्च किए: रिपोर्ट

मुंबई । एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए.तेल और वसा पर खर्च में गिरावटइस्ब्बुश्च के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67त्र की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78त्र की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24= चॉकलेट, जेम, चीनी= 6.60 लाख करोड़ सब्जियां= 5.95 लाख करोड़तेल वसा= 2.45 लाख करोड़, 2022-23= चॉकलेट, जेम, चीनी= 5.51 लाख करोड़सब्जियां= 5.28 लाख करोड़तेल वसा= 3.05 लाख करोड़ 2021-22= चॉकलेट, जेम, चीनी= 4.71 लाख करोड़, सब्जियां= 5.06 लाख करोड़तेल वसा= 2.76 लाख करोड़ 2020-21= चॉकलेट, जेम, चीनी= 4.46 लाख करोड़, सब्जियां= 4.79 लाख करोड़, तेल वसा= 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72त्र बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

किनाबाटांगन । मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप

- ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली । ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है।

आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

- पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया

नई दिल्ली ।

देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया। यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

कच्चा तेल महंगा होने से चालू खाते का घाटा बढ़ने की आशंका

- रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका

नई दिल्ली । इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारत का चालू खाते का घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। इससे रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका है। हालांकि अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें एक दायरे में बनी रहती हैं तो वृद्धि और मुद्रास्फीति के समीकरण पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत कच्चे तेल की अपनी 85 फीसदी से अधिक जरूरतों को आयात के जरिये पूरा करता है। इसलिए वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव उसके लिए काफी मायने रखता है। मई में ब्रेंट क्रूड की कीमत हालिया 60 से 61 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर से बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल के इंडियन बास्केट की कीमत मई में 64 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 13 जून तक 73.1 डॉलर प्रति बैरल हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत पर वृहद कारकों का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि तेल की कीमतों में आई हालिया तेजी आगे भी बरकरार रहती है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं और 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचती है तो उसका प्रभाव वित्त वर्ष 2026 के लिए हमारे सीएडी अनुमान में 30 से 40 आधार अंकों की वृद्धि के रूप में दिख सकता है। भारत ने 2020 से ही ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया था। भारत का रूस से कच्चे तेल आयात 2022 से पहले लगभग शून्य था जो अब बढ़कर 35 से 40 फीसदी हो चुका है। हालांकि खाड़ी देशों से कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता काफी कम हो गई है। मगर कच्चे तेल का करीब दो-तिहाई और एलएनजी का 50 फीसदी आयात अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है जिसे ईरान ने अब बंद करने की धमकी दी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई । बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक तकरीबन (0.26 फीसदी) की गिरावट के साथ ही 81,583.30 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 93.10 अंकों (0.37फीसदी) नीचे आकर 24,853.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ पर आज आज बाजार ने ये तेजी गंवा दी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 9 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि बाकी की 21 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि सनफार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.18 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज , इंफोसिस 0.92, मारुति सुजुकी 0.60, एनटीपीसी 0.48, टीसीएस 0.46, एचसीएल टेक 0.40, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.18 और पावरग्रिड के शेयर 0.12 फीसदी की बढ़त पर बंद हुए जबकि एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.92 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.28फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28फीसदी, टाटा स्टील 0.97फीसदी, टाइटन 0.88फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.87फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.62फीसदी, रिलायंस 0.50फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.45फीसदी, भारती एयरटेल 0.40फीसदी, एक्सिस बैंक 0.37फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.28फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.20फीसदी, लार्सन एंड टूब्रो 0.18फीसदी, आईटीसी 0.12फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.11फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में बिकवाली दर्ज की गई। सेंसेक्स 186.35 अंक की गिरावट के साथ 81,609.80 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 68.20 अंक की गिरावट के साथ 24,878.30 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी बैंक 30.10 अंक की गिरावट के साथ 55,914.80 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 36.40 अंक की गिरावट के साथ 58,732.10 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 66.30 अंक की गिरावट के साथ 18,482.90 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार ईरान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है जिससे भी बाजार में निकासी बढ़ी। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, जकार्ता, जापान और सोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग और चीन लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स 317.30 अंक की बढ़त के साथ 42,515.09 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 56.14 अंक की बढ़त के साथ 6,033.11 पर और नैस्डैक 294.39 अंक की बढ़त के साथ 19,701.21 पर बंद हुआ।

आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में आएगी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू खुदरा बाजार में आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट होगी है। इसकी वजह रिफाइनर्स की ओर से लागत में कमी को ग्राहकों को हस्तांतरित करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने की संभावना की वजह केंद्र सरकार द्वारा 30 मई को कस्टम ड्यूटी में कटौती करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाद्य तेल कंपनियों को अपने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी करने और वितरक को मूल्य (पीटीडी) दरों पर साप्ताहिक अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

मई में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 2.8 प्रतिशत पर आ गई और भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से अधिक मजबूत मानसून का अनुमान जाहिर किया है, इन घटनाक्रमों से सामूहिक रूप से खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में गिरावट के ट्रेंड को रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में बताया गया कि कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच शुल्क अंतर में वृद्धि से घरेलू रिफाइनरों की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। कच्चे पाम तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को अब घटाकर 10 प्रतिशत की गई है और रिफाइंड खाद्य तेलों पर कस्टम ड्यूटी 32.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित है, जिससे कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच कस्टम ड्यूटी अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़कर 19.25 प्रतिशत हो गया है।

संशोधित कस्टम ड्यूटी स्ट्रक्चर से प्रमुख खिलाड़ियों को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इससे रिफाइनर रिफाइंड तेलों के बजाय कच्चे खाद्य तेल के आयात को प्राथमिकता देगा।

भारत खाद्य तेलों में दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। देश अपनी जरूरतों का 55-60 प्रतिशत इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है। ऑयल साल 2023-24 में भारत ने 15.96 मिलियन टन (एमटी) खाद्य तेलों का आयात किया है। इसमें पाम ऑयल की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत थी, जबकि बाकी की हिस्सेदारी सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बेचे एशियन पेंट के 85 लाख शेयर

- सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एशियन पेंट्स के 85 लाख शेयर ओपन मार्केट में बेच दिए। इस सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही। कुछ दिन पहले रिलायंस ने एशियन पेंट्स में 3.50 करोड़ शेयर बेच दिए थे। अब उसी के बाद यह नई बिक्री की गई है। डील का असर मंगलवार को देखने को मिला। मंगलवार की सुबह शुरुआत मे शेयर 1441.30 पर कारोबार कर रहा था। यह बीते दिन से 0.19 फीसदी की तेजी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ब्लॉक डील डेटा के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी सिद्धांत कमर्शियल्स ने ये 85 लाख शेयर बेचे। ये एशियन पेंट्स में कंपनी की 0.88 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 2,207 के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे कुल डील 1,875.95 करोड़ की बनी। इस डील में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने सभी शेयर खरीदे। 2,207 के भाव पर खरीदी गई इस हिस्सेदारी के बाद फंड की एशियन पेंट्स में हिस्सेदारी 1.24 फीसदी से बढ़कर 2.12 फीसदी हो गई है।

इस्राइल-ईरान जंग के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार: हरदीप पुरी

- भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है

नई दिल्ली।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान चल रही जंग के दौरान भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है। हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओमसी के साथ भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए गुयाना मोमेंट बन सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन

है। ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है जहां खोज नहीं की गई है। अब सरकार ने बेसिन के बड़े हिस्से में अन्वेषण का फैसला लिया है।

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति

- अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं। कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा। इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 फीसदी बढ़ेगी: मारुति सुज़ुकी

- मारुति 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी

नई दिल्ली ।

MARUTI SUZUKI

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कंपनी को 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के अधिकारी ने कहा कि हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज केंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर 'रेलवे साइडिंग' को हरियाणा में सोनीपत से पलवल तक चलने वाले 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम फर्म हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचओआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया गया है।संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 325 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त एमएसआईएल ने आंतरिक यार्ड विकास पर लगभग 127 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे इसका कुल निवेश 452 करोड़ रुपये हो गया है।

तेजी से बढ़ती तेल की कीमतें शेयर बाजार के लिए नुकसानदायक नहीं!

वित्त वर्ष 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को भी मिलने लगा है महत्व

नई दिल्ली ।

ऐसा कहा जाता है कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का असर शेयर बाजार पर पड़ता है। लेकिन आंकड़े दिखाते हैं कि यह हमेशा सही नहीं होता। वित्त वर्ष 2012 में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 32 फीसदी बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचीं, तब निफ्टी 50 इंडेक्स में 9.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। लेकिन इसके अगले दो सालों में जब तेल की कीमतें 110 डॉलर (वित्त वर्ष 13) और 108 डॉलर (वित्त वर्ष 14) रहीं, तो निफ्टी ने नुकसान की बजाय फायदा दिखाया। उस समय भारत की जीडीपी ग्रोथ भी अच्छी थी। एक इक्नोनॉमिक्स रिसर्च के प्रमुख बताते हैं कि 2007 से 2014 के बीच ट्रिपल डिजिट (100 डॉलर से ऊपर) तेल कीमतें आम थीं। लेकिन 2014 के बाद हालात बदले। अमेरिका ने अपने उत्पादन को बढ़ाया और शेल गैस का उपयोग शुरू किया।

वहीं चीन ने मैन्युफैक्चरिंग से हटकर सर्विस सेक्टर पर ध्यान देना शुरू किया। इन वजहों से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में नरमी आई। उनका कहना है कि 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सोलर और विंड को भी महत्व मिलने लगा। बाजार ने कच्चे तेल के साथ-साथ इन विकल्पों को भी ध्यान में रखना शुरू कर दिया। इसलिए अगर तेल की कीमतें बहुत तेजी से और ज्यादा समय तक नहीं बढ़तीं, तो वे शेयर बाजार के लिए हमेशा नुकसानदेह नहीं होतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संघर्ष के चलते ऊर्जा बाजार में बड़ा असर पड़ सकता है। स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ एक अहम रास्ता है जहां से हर दिन करीब 17 मिलियन बैरल तेल गुजरता है। यह दुनिया की कुल आपूर्ति का करीब 20 फीसदी है। अगर यह रास्ता बाधित होता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

अगर तेल की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ीं, तो दुनिया के विकसित देशों की ब्याज दरें घटने की उम्मीदें भी खत्म हो सकती हैं। महंगाई फिर से बढ़ सकती है और शेयर बाजार की तेजी रुक सकती है।

चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा बहाल, डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा को बहाल कर दिया गया है। इसके पहले हेलिकॉप्टर सेवा को हादसे के बाद कुछ समय के लिए स्थगित हुआ था। अब इस हेलीकॉप्टर सेवा को फिर से बहाल किया गया है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ सोनिका ने ये जानकारी दी है। गौरतलब है कि केदारनाथ घाटी में एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें पांच श्रद्धालुओं सहित सात लोगों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं कुछ दिनों के लिए रोक दिया था। हेली उड़ानों के लिए कोई परेशानी ना हो इसके लिए राज्य सरकार ने कमांड एंड कोऑर्डिनेशन सेंटर स्थापित करने का निर्देश दिया है। सोनिका का कहना है कि हेलीकॉप्टर सेवाएं अब डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित होंगी। सरकार ने सभी हेली ऑपरेटरों और पायलटों को भी निर्देश दिया है कि उनकी जांच की जाएगी कि उन्हें हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान का अनुभव है या नहीं। जो भी नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाएगा उनके खिलाफ सख्त जांच होगी।

कोझिकोड पुलिस ने सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड स्थित मालापरम्बु में सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया। दोनों ही फरार चल रहे थे। पुलिसवालों पर आरोप है कि दोनों की मदद से स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। जहां ये सब कुछ चल रहा था, उस बुजुर्गों की देखभाल के लिए सेवाएं देने वाली एजेंसी के तौर पर पेश किया गया था। दोनों आरोपियों की पहचान वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी (सीपीओ) शैजित और सीपीओ सानिथ के रूप में हुई है। दोनों कोझिकोड शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में ड्राइवर थे। सेक्स रैकेट मामले में नाम सामने आने के बाद कोझिकोड शहर के पुलिस आयुक्त ने दोनों को निलंबित किया। पुलिस जांच दल ने दोनों को तब गिरफ्तार किया जब वे मामले की मुख्य आरोपी बिन्दु की कार में थे। इस महीने की शुरुआत में बिंदु और आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन्हें मलापरम्बु के अपार्टमेंट में सेक्स रैकेट चलाते हुए पाया गया था। पड़ोस के रहने वाले लोगों की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उन्होंने संचालकों, ग्राहकों और यौनकर्मियों सहित नौ लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए लोगों में छह महिलाएं और कुछ पुरुष शामिल हैं, जिनके ग्राहक होने का अनुमान है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाना है, जो फिलहाल बहरीन में काम करता है। अपार्टमेंट के मालिक का दावा है कि बहरीन फुटबॉल क्लब से जुड़े एक फिजियोथेरेपिस्ट को यह पट्टे पर दिया गया था। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में जानकारी नहीं है, क्योंकि किराया नियमित रूप से मिल रहा था।

आदिवासी मजदूर को नहीं मिली एंबुलेंस, थैली में बेटी का शव लेकर गांव गया

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले से सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोलने वाली घटना सामने आई है। फिर महाराष्ट्र में सरकारी सिस्टम एकदम लाचार दिखा है। जोगलवाड़ी गांव निवासी एक आदिवासी मजदूर को अपनी मृत नवजात बेटी के शव को प्लास्टिक की थैली में लपेटकर राज्य परिवहन की बस से अपने गांव गया। आदिवासी मजदूर का आरोप है कि नासिक सिविल अस्पताल ने शव ले जाने के लिए एंबुलेंस देने से इंकार किया था। कटकारी आदिवासी समुदाय से आने वाले सखरम कावर ने कहा, मैंने अपनी बच्ची को स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही और बेरुखी के कारण खो दिया। सखरम और उनकी पत्नी अविता (26) दिहाड़ी पर मजदूरी करके गुजर करते हैं। हाल ही तक बदलापुर (ठाणे) में एक ईंट भट्ठे पर काम कर रहे थे। सखरम और उनकी पत्नी अविता सुरक्षित प्रसव के लिए अपने गांव लौटे थे। 11 जून को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर सरकारी एम्बुलेंस नहीं आई और अंततः कई अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, 12 जून की रात नासिक में बच्ची मृत जन्मी। अगली सुबह अस्पताल ने शव सौंप दिया, लेकिन परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं की। इसके बाद मैंने 20 रुपये में थैली खरीदी, बच्ची को कपड़े में लपेटा और बस से गांव लौटा। उन्होंने बताया कि 13 जून को जब पत्नी को घर लाने नासिक लौटे, तब भी एम्बुलेंस नहीं दी गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आरोपों को खारिज कर कहा कि सखरम ने स्वयं एम्बुलेंस लेने से इंकार किया था और अस्पताल ने सभी जरूरी मदद दी।

मणिपुर में बड़ी मात्रा में मिला हथियार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 8 से 15 जून के बीच भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर कई जिलों में संयुक्त अभियान चलाया। थौबल, चुराचांदपुर, ककचिंग, तेंग्नौपाल, इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट जिलों में हुए इन ऑपरेशनों में 4 उग्रवादियों को पकड़ा गया और 23 हथियार, 10 आईईडी, ग्रेनेड, भारी मात्रा में गोलाबारूद और युद्ध सामग्री बरामद हुई। 8 जून को तेंग्नौपाल में दो इम्प्रूवाइज्ड मोर्टार, 12 जून को थौबल, चुरा चांदपुर और इम्फाल ईस्ट में कुल 12 हथियार, 13 जून को तेंग्नौपाल में 3 हथियार और 10 आईईडी, जबकि 14 जून को ककचिंग और इम्फाल ईस्ट से 6 हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पकड़े गए उग्रवादियों और सामग्री को मणिपुर पुलिस को सौंपा गया। यह कार्रवाई राज्य में शांति बहाली की दिशा में अहम मानी जा रही है।

गुरुधामों के लिए नहीं जाएगा सिख जत्था

अमृतसर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। कमेटी ने कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार... दिल्ली-एनसीआर में बारिश, बिहार-झारखंड में भी मौसम बदला

मप्र में 19 जिलों को कवर किया मानसून

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मंगलवार को फिर आगे बढ़ा है। मॉनसून उत्तरी अरब सागर और गुजरात के अतिरिक्त भागों के साथ-साथ विदर्भ के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्से, ओडिशा के शेष क्षेत्र, झारखंड के कुछ हिस्से, समूचा गंगा का तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के बचे हुए क्षेत्र और बिहार के कुछ हिस्से भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के प्रभाव में आ गए हैं। इसके साथ ही देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में भी तब्दीली आई है। दोपहर से दिल्ली-नोएडा समेत इसके आसपास के इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई है।

वहीं इंदौर समेत मध्यप्रदेश के 15 जिलों में मंगलवार को मानसून ने दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांडुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में पहुंच गया। आज 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इससे पहले सोमवार को बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में मानसून पहुंचा था। इस तरह मानसून ने 2 दिन में प्रदेश के 19 जिलों को कवर कर लिया है। इधर, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छिंदवाड़ा में तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों- जुन्नारदेव, बिछुआ, नवेगांव में भी पानी गिरा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन में मानसून भोपाल में दस्तक दे सकता है। वहीं, सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल में पहुंचेगा। मौसम विभाग की मानें तो एक सप्ताह में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। कहीं-कहीं भारी या अति भारी बारिश भी हो सकती है।

जबलपुर समेत 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश हिस्से में मौसम का मिजाज बदलने का अनुमान जताया है। उमरिया, शहडोल, मैहर और सीधी में तूफानी हवा चलने का अलर्ट है। हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। सिंगरौली, सतना, कटनी, पन्ना, अनूपपुर, डिंडौरी, रीवा, जबलपुर में भी तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। मुरैना, छिंदवाड़ा, बैतूल, पांडुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, श्योपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, सतना, मऊगंज, सागर, अलीराजपुर, रतलाम, भिंड, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, खंडवा, देवास और राजगढ़ में बिजली गिरने के साथ हल्की आंधी चल सकती है।

जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने मोदी सरकार से कहा कि जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। बसपा मुखिया ने पोस्ट कर लिखा कि भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे

जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन और देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय और जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका हुआ था, जिस पर काफी आवाज उठने के बाद अब मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र की सरकार इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने और उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से संबंधित दिए गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के जरिए विचार-विमर्श लगातार जारी है। पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है। यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी है। ताजा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी और जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई और सख्ती भी की गई। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय का तेजस्वी से सवाल... आपने बाबासाहेब के लिए आज तक क्या किया

पटना (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और भाजपा के नेता नित्यानन्द राय ने राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने राजद अध्यक्ष लालू के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान करने को लेकर सवाल पूछा गया। केंद्रीय राज्यमंत्री राय ने सवाल किया कि जब तेजस्वी यादव कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस की गोद में थे, तब उन्होंने बाबासाहेब के लिए क्या किया? केंद्रीय मंत्री राय ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लेकर लिखा, तेजस्वी, आप मुद्दों की राजनीति नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की राजनीति करते हैं, परिवारवाद की राजनीति करते हैं और जंगलराज की राजनीति करते हैं, जो आपकी पहचान है और इस पहचान को बिहार के लोग भली-भांति जानते भी हैं, समझते भी हैं। बिहार की जनता आपके झांसे में आने वाली नहीं है, आपके हकीकत से पूरा बिहार वाकिफ है।

इसके बाद उन्होंने राजद को निशाने पर लेकर कहा, राजद अंबेडकर के नाम पर सियासत भी करती है और उन्हें अपमानित करने का काम भी करती है। किस तरह से बाबासाहेब की तस्वीर को लालू यादव के जन्मदिन के मौके पर उनके पैरों के पास रखकर अपमानित किया गया, वहां चाक्या पूरे देश ने देखा है। उन्होंने सवाल किया, जब आप सत्ता में रहते हैं, तब बाबासाहेब याद नहीं आते और जब सत्ता से बाहर होते हैं, तब बाबासाहेब के नाम पर राजनीति करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आपने बाबासाहेब के सम्मान के लिए क्या किया है? जब आप कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस के गोद में थे, तब आपने बाबासाहेब के लिए क्या किया? इसका जवाब दीजिए?

जस्टिस वर्मा के समर्थन में सिब्बल बोले- शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जज यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्तावित महाभियोग प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उनके आधार पर महाभियोग चलाया जाए। सिब्बल ने कहा, इस मामले में जांच के बिना किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। महज कुछ वीडियो क्लिप और जले हुए नोटों की बातें, जो मीडिया में आई हैं, उन्हें बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता।

ये भी तो बताएं कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई रुकी क्यों?

एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार पक्षपात कर रही है। सिब्बल ने सरकार और राज्यसभा के सभापति पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ 55 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित महाभियोग प्रस्ताव पर छह महीने से कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, न्यायमूर्ति यादव का सांप्रदायिक भाषण स्पष्ट है और इसे उन्होंने अस्वीकार नहीं किया। फिर भी, सभापति ने हस्ताक्षरों की जांच के लिए इतना समय क्यों लिया? यह स्पष्ट है कि सरकार इस न्यायाधीश को बचाना चाहती है। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि सभापति ने मुख्य न्यायाधीश को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ इन-हाउस जांच को रोकने के लिए पत्र क्यों लिखा, जबकि न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि विपक्ष को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया पहले शुरू करने पर जोर देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि पहले जज यादव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उसके बाद ही वर्मा के मामले पर विचार होना चाहिए।

ऐसे महाभियोग नहीं चलाया जा सकता

सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच कोई वैधानिक जांच नहीं है और इसके आधार पर महाभियोग नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा, महाभियोग तभी लाया जाना चाहिए जब सांसदों को

जज की कथित गतिविधियों पर पूरा विश्वास हो, जैसा कि हमने जस्टिस दीपक मिश्रा के मामले में किया था। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि क्या तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को इन-हाउस रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजनी चाहिए थी। यह संसद का विषय है, न्यायपालिका का नहीं।

राहत : लगातार तीसरे दिन कोविड संक्रमण के मामलों में आई गिरावट

नई दिल्ली। कोविड के नए वैरिएंट की रफ्तार थमने से राहत मिली है। लगातार तीसरे दिन भारत में कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट आई है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से नीचे पहुंच गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये नए आंकड़े जारी किए हैं। कोविड संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक देशभर में एक ही दिन में संक्रमण के 428 मामले कम हुए हैं। इससे अब कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 6836 हो गई है। इसके पहले सोमवार को संक्रमण के मामलों में 119 की गिरावट आई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों में केरल में सबसे ज्यादा कमी आई वहां 261 मामले कम हुए। इसके अलावा गुजरात में 185, दिल्ली में 94, महाराष्ट्र में 28, आंध्र प्रदेश में 18, सिक्किम में 13, असम में 3, तेलंगाना-बिहार-छत्तीसगढ़ और गोवा में एक-एक घटे हैं।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चर्चाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे।

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन

सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन उस टकराव के दौरान जो कुछ तत्व स्पष्ट हुए, वे बातचीत में सामने आए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पहले 10 जून को अमेरिका गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी मुलाकात 'उल्लेखनीय' रही। पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच 'अच्छी बातचीत' हुई और भारतीय प्रतिनिधिमंडल को लगा कि 'इससे बेहतर बैठक नहीं हो सकती थी।' प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान वेंस से मुलाकात की थी।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भड़के सिद्धारमैया, त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, तभी सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार कर भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

सिद्धारमैया ने कहा कि दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें। हमारी सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला किया है। मेरे राजनीतिक

सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

सीएम ने कहा कि इसतरह के निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है। यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तब उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों के प्रति जवाबदेह है। इसलिए, भगदड़ मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रारंभिक कार्रवाई की गई है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में व्यापक और निष्पक्ष जांच की जा रही है।

क्या भाजपा कुख्यात माफिया दाऊद इब्राहिम को भी पार्टी में शामिल करेगी?: हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी मानती है, लेकिन जो पार्टी खुद को शक्तिशाली दिखाने की कोशिश करती है, वह अब किसी को भी पार्टी में शामिल कर रही है। अब तक जिन लोगों पर भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, उन्हीं को सम्मानपूर्वक पार्टी में शामिल किया गया और मंत्रीपद भी सौंपा गया। अब तो भाजपा ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं। जिस व्यक्ति पर माफिया दाऊद इब्राहिम से संबंध होने का आरोप था, उसी को सम्मानपूर्वक भाजपा में शामिल किया गया। अब क्या भाजपा दाऊद को भी पार्टी में शामिल करेगी? ऐसा तीखा सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने उठाया है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि किसे पार्टी में शामिल करना है, यह उस पार्टी का मामला है, लेकिन जब आप हिंदुत्व की बातें करते हैं, तो आपको यह भी सोचना चाहिए कि आप खुद क्या कर रहे हैं। भाजपा विधायक नितेश राणे ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि नासिक के सुधाकर बडगुजर ने दाऊद के गुर्गे सलीम कुत्ता के लिए पार्टी रखी थी। उन्होंने विधानसभा में पार्टी में नाचते हुए फोटो भी दिखाए थे और कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन अब वही भाजपा कह रही है कि उन्होंने हिंदुत्व स्वीकार कर लिया है, इसलिए उनका स्वागत है। इसका मतलब कल अगर दाऊद भी हिंदुत्व स्वीकार कर ले, तो क्या भाजपा उसे भी पार्टी में शामिल कर लेगी? भाजपा खुद को 'पार्टी विथ डिफरेंस' कहती है, लेकिन आज यह पार्टी गुंडों, मवालियों और भ्रष्टाचारियों से भर गई है। मुंबई में 1993 के बम धमाकों के आरोपी और दाऊद के साथी इकबाल मिर्ची से जुड़े संपत्ति लेनदेन मामले में जो नाम पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल पर लगे, उन्हीं की राष्ट्रवादी पार्टी के साथ भाजपा सत्ता में साझेदार बनी हुई है। भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल को 'वॉशिंग मशीन' में डालकर साफ कर दिया है। भाजपा का हिंदुत्व दिखावा है, यह हम लगातार कहते आ रहे हैं, और आज भी वही बात साबित हुई है। हर्षवर्धन सपकाल ने यह भी कहा कि सुधाकर बडगुजर के पार्टी प्रवेश की जानकारी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और कार्याध्यक्ष को दोपहर तक भी नहीं थी। फिर यह सवाल उठता है कि भाजपा पार्टी को अस्सल में चला कौन रहा है?

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717